मार्था वाशिंगटन

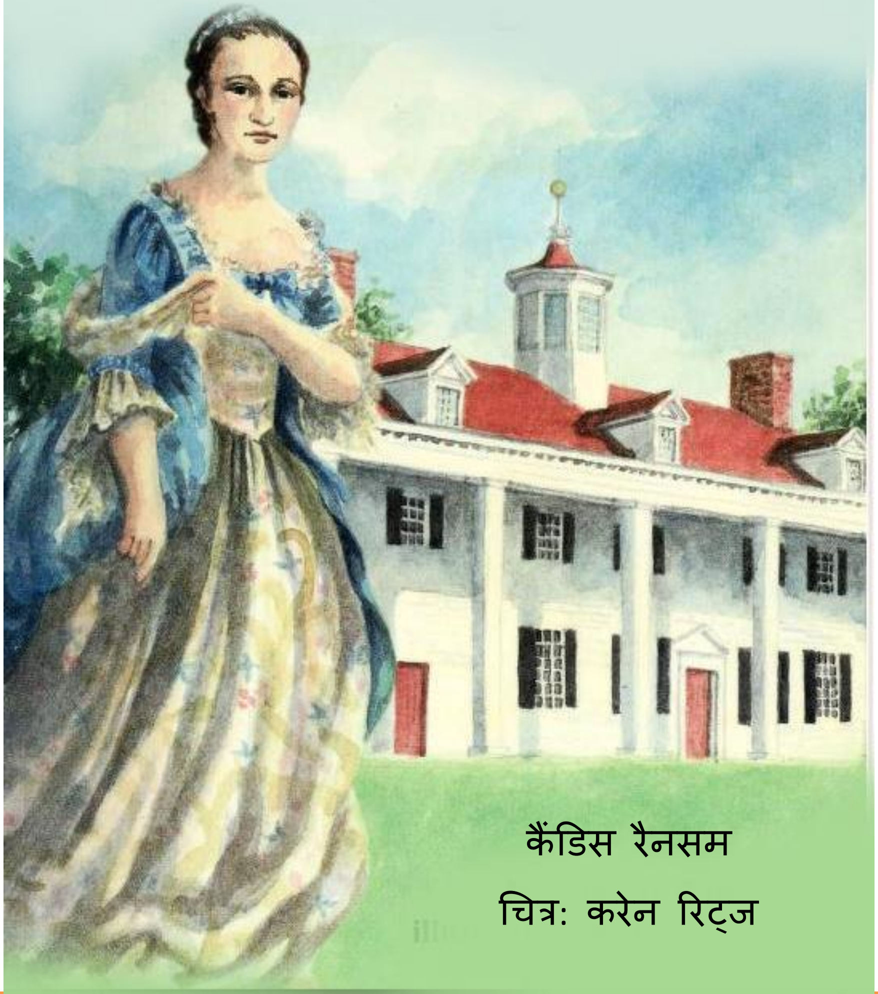

कैंडिस रैनसम

चित्र: करेन रिट्ज

विलियम्सबर्ग, वर्जीनिया

1746-1759

मार्था डैंड्रिज को उम्मीद थी कि उनसे कोई नाचने के लिए कहेगा.

क्योंकि असेंबली नृत्य एक महत्वपूर्ण घटना थी.

उसमें युवा पुरुष अपने विवाह के लिए उचित युवती खोजते थे.

वो जानती थी कि शाही राज्यपाल का अभिवादन कैसे किया जाता है.

वो अपने पैर के अंगूठे पर घूमकर नृत्य करना जानती थी.

वो वाद्ययंत्र भी बजा सकती थी और गा भी सकती थी.

वो किसी दिन किसी की एक अच्छी पत्नी बनेगी.

एक सज्जन ने मार्था से नृत्य करने को कहा.

वो डेनियल पार्के कस्टिस थे.

डेनियल, वर्जीनिया के ब्रिटिश उपनिवेश में सबसे अमीर जमींदारों में से एक थे.

वो दयालु और कोमल स्वाभाव के थे.

कई महिलाएं उन्हें बहुत चाहती थीं.

नृत्य के बाद, डेनियल अक्सर मार्था के घर आते-जाते रहे.

मार्था को धीरे-धीरे उनसे प्यार हो गया.

1749 में, उनका विवाह हुआ.

मार्था, डेनियल के बड़े वाइट हाउस में जो उनके तंबाकू के बागान में स्थित था, रहने चली गईं.

वहां उनके चार बच्चे थे.

मार्था एक धनी महिला की तरह रहती थीं.

उनके पास अच्छे कपड़े और एक सुंदर घर था.

और अधिकांश धनी लोगों की तरह, उनके और डेनियल के पास बहुत से दास थे.

मार्था को उम्मीद थी कि उनका जीवन हमेशा ऐसा ही रहेगा.

लेकिन जल्द ही उनके जीवन में उदासी आई.

उनके दो बच्चे बीमार हो गए और उनकी मौत हो गई.

बाद में डेनियल की भी मृत्यु हो गई.

डेनियल, मार्था के लिए अपना तंबाकू का बागान और अपना बड़ा घर छोड़ गया.

मार्था किसी भी मर्द की तरह ही, अपना बागान चलाती थीं.

लेकिन वो अकेली थीं.

मार्था केवल 26 वर्ष की थीं, और विधवा होने के लिए बहुत छोटी थीं.

एक रात एक डिनर पार्टी में उनकी मुलाकात एक ऊंचे, शांत सज्जन से हुई.

उनका नाम जॉर्ज वाशिंगटन था.

कर्नल वाशिंगटन एक हीरो थे.

उन्होंने फ्रांसीसी और स्थानीय इंडियंस के खिलाफ युद्ध में ब्रिटिश सेना में बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी.

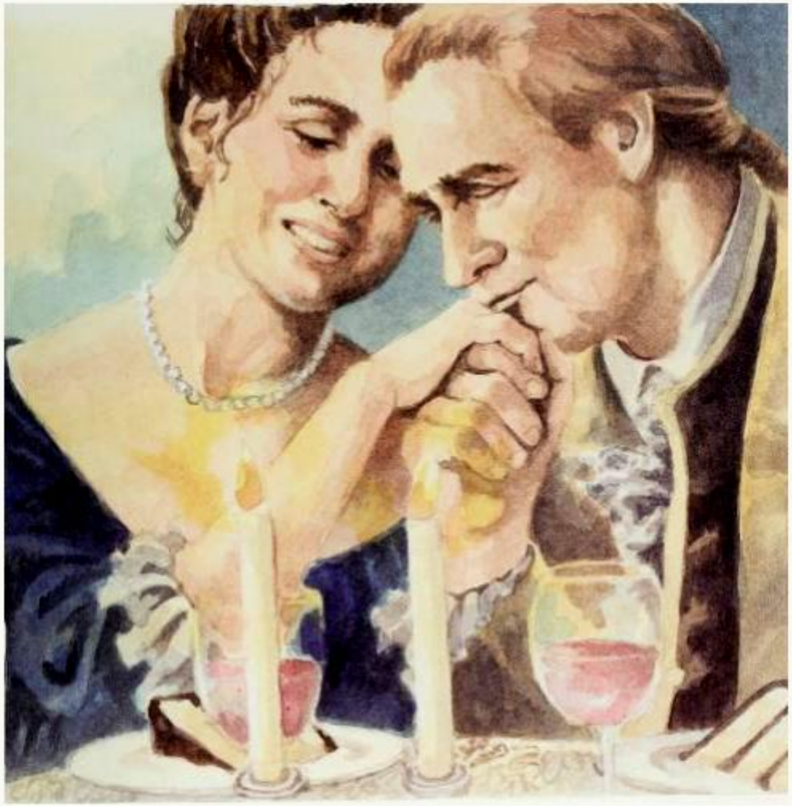

मार्था को जॉर्ज वाशिंगटन पसंद आए.

और वो एक नए जीवन के लिए तैयार हो गईं.

जब जॉर्ज ने उससे शादी करने के लिए कहा तो मार्था ने हां कहा.

माउंट वर्नोन, वर्जीनिया

1759

मार्था, कोच से नीचे उतरीं.

उन्होंने पोटोमैक नदी के किनारे स्थित बड़े घर को देखा.

जॉर्ज ने मार्था के बच्चों - जैकी और पैट्सी को कोच से उतारा.

वो उन्हें अपने घर के अंदर ले गए.

मार्था को उम्मीद थी कि वो और उसके बच्चे यहाँ खुश रहेंगे.

मार्था अब माउंट वर्नोन की मालकिन थीं.

हर सुबह, वो एक सफेद सूती पोशाक पहनती थीं.

फिर वो रसोइए के साथ भोजन की योजना बनाती थीं.

वो सुनिश्चित करती थीं कि कपड़ों पर ठीक से इस्त्री की गई हो.

वो बगीचे में भी काम करती थीं.

माउंट वर्नोन चलाना एक बड़ा काम था.

लेकिन मार्था को जॉर्ज और बच्चों के लिए सभी काम एक आदर्श तरीके से करना पसंद थे.

जॉर्ज अक्सर अपने खेत का प्रबंधन करने के लिए बाहर जाते थे.

कभी-कभी वो वर्जीनिया की राजधानी विलियम्सबर्ग भी जाते थे.

वहां उन्होंने ब्रिटिश उपनिवेश के लिए एक विधायक के रूप में काम किया था.

जब भी वो घर लौटते, तो मार्था उनके लिए तैयार रहती थीं.

वो एक सुंदर रेशमी गाउन पहनती थीं.

वो अपने बालों पर सफेद पाउडर छिड़कती थीं.

मार्था, मिसेज़ वाशिंगटन के रूप में अपने जीवन से खुश थीं.

माउंट वर्नोन, वर्जीनिया

1773

मार्था ने अपने प्याले से चाय की चुस्की ली.

उन्होंने अपनी नाक सिकोड़ी.

गोल्डनरोड से बनी चाय का बड़ा अजीब स्वाद था.

मार्था को ब्रिटिश चाय ज्यादा अच्छी लगती थी.

लेकिन वाशिंगटन ने, ग्रेट-ब्रिटेन से चाय खरीदना बंद कर दी थी.

ब्रिटेन ने उपनिवेशवादियों को चाय पर टैक्स देने को कहा था.

उन्होंने अन्य वस्तुओं पर भी टैक्स लगाया गया था.

लेकिन उपनिवेशवादियों को वो टैक्स अनुचित लगते थे.

ब्रिटेन के सम्राट अधिकांश करों को हटाने के लिए सहमत हो गए.

लेकिन उन्होंने चाय पर से टैक्स हटाने से इनकार कर दिया.

अपना गुस्सा दिखाने के लिए जॉर्ज और अन्य उपनिवेशवादियों ने ब्रिटिश चाय खरीदना बंद कर दी.

मार्था की अपनी अलग चिंताएँ थीं.

पैट्सी बीमार थी. और जैकी ने स्कूल छोड़कर शादी करने का फैसला किया था.

उस गर्मी में, पैट्सी की मृत्यु हो गई.

मार्था इतनी दुखी हुई कि वो जैकी की शादी में नहीं गईं.

लेकिन धीरे-धीरे मार्था को बदलाव की आदत पड़ गई.

कई मेहमान माउंट वर्नोन का दौरा करते थे और अक्सर ग्रेट ब्रिटेन के बारे में चर्चा करते थे.

सम्राट अभी भी उपनिवेशों को नियंत्रित करने की कोशिश में लगे थे.

इसलिए उपनिवेशवासी पहले से कहीं ज्यादा गुस्से में थे.

मार्था ने अचरज किया कि आगे क्या होगा.

माउंट वर्नोन, वर्जीनिया

1774

मार्था ने अंग्रेजों के खिलाफ पैट्रिक हेनरी के कड़े शब्दों को सुना.

मिस्टर हेनरी और एडमंड पेंडलटन, माउंट वर्नोन में रात बिताने आए थे.

फिर वे एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए जॉर्ज के साथ फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया जा रहे थे.

वे कॉन्टिनेंटल कांग्रेस के लिए बाकी उपनिवेशों के लोगों के साथ शामिल होने जा रहे थे.

कांग्रेस का काम उपनिवेशों के अधिकारों के लिए लड़ना था.

"मुझे आशा है कि आप सभी दृढ़ रहेंगे," मार्था ने अपने मेहमानों से कहा.

"मुझे पता है जॉर्ज वो ज़रूर करेगा."

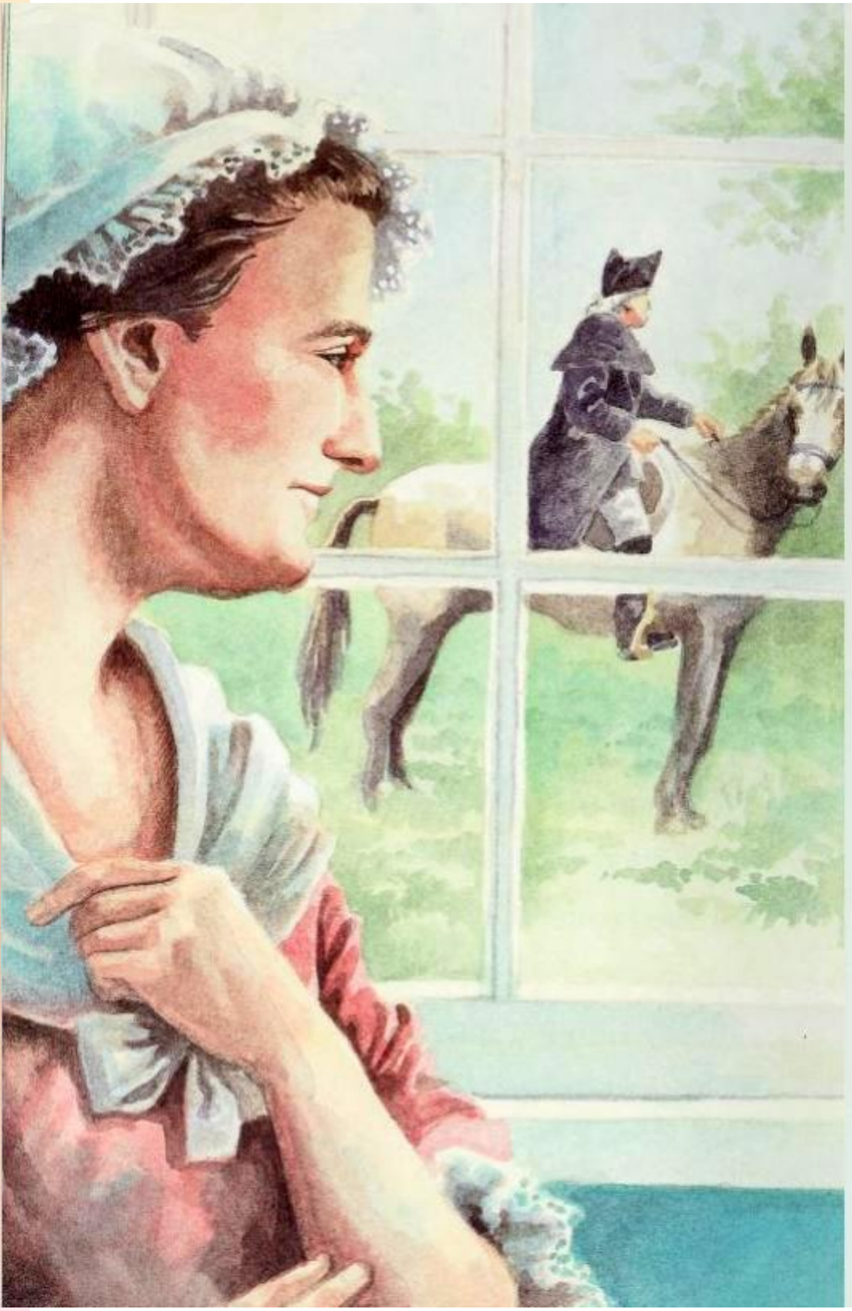

दो महीने बाद, जॉर्ज घर लौटकर आए.

उन्होंने मार्था को बताया कि उपनिवेशों ने ब्रिटेन के खिलाफ एकजुट होने का फैसला किया था.

अब सभी उपनिवेश, ब्रिटिश सामान खरीदना बंद कर देंगे.

मई 1775 में, जॉर्ज फ़िलाडेल्फ़िया के लिए फिर से रवाना हुए.

मार्था को जून में उनका एक पत्र मिला.

अमेरिका और ब्रिटेन के बीच युद्ध छिड़ गया था.

और उपनिवेशवादी चाहते थे कि जॉर्ज, कॉन्टिनेंटल सेना का नेतृत्व करें.

मार्था की इच्छा थी कि जॉर्ज घर वापिस आ जाए.

वो उन्हें बहुत याद करती थीं.

लेकिन वो समझ गई कि कॉलोनियों को उनकी जरूरत थी.

उस सर्दी में, मार्था को एक महत्वपूर्ण अनुरोध प्राप्त हुआ.

जॉर्ज चाहता थे कि वो क्रिसमस के लिए उनके सैन्य शिविर में आएं.

मार्था, घर से इतनी दूर पहले कभी नहीं गई थीं.

कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स, 600 मील दूर था!

ब्रिटिश सैनिक रास्ते में, जॉर्ज वॉशिंगटन की पत्नी को पकड़ने की कोशिश कर सकते थे.

लेकिन कोई भी मार्था को जॉर्ज से दूर नहीं रख पाया.

मार्था ने कुछ चीजें पैक कीं और रास्ते के खतरों के बारे में सोचा.

कैम्ब्रिज की सवारी में हफ्तों लगे.

उसका कोच उबड़-खाबड़ रास्तों पर उछलता हुआ गया.

वो खेतों, जंगलों से, और अजीब-अजीब शहरों से गुज़रीं.

11 दिसंबर को उनका ड्राइवर एक पीले घर के सामने आकार रुका.

वो जनरल वाशिंगटन का मुख्यालय था.

उन्होंने जॉर्ज को भी खुश करने की कोशिश की.

अक्सर जॉर्ज चिंतित रहते थे.

उनके आदमियों को सप्लाई की जरूरत थी.

वे बिना भोजन या बंदूक के युद्ध कैसे जीत सकते थे?

मार्था को उम्मीद थी कि जॉर्ज की समस्याएं जल्द ही हल हो जाएंगी.

मार्था, तुरंत काम पर लग गईं.

उन्होंने सैनिकों से मुलाकात की, खाना बनाया और सफाई की.

उन्होंने सैनिकों को माउंट वर्नोन से लाए जैम, जेली और सूखे मेवे दिए.

जब दूर से तोपें दागने की आवाज़ें आतीं तो भी मार्था खुश रहतीं.

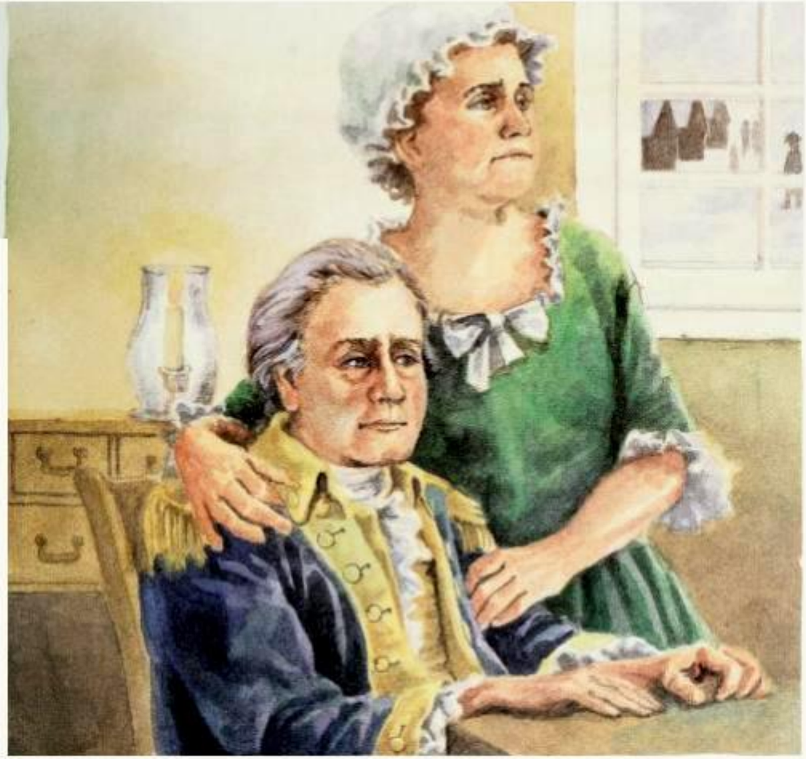

वैली फोर्ज, पेंसिल्वेनिया

1778

बाहर गहरी बर्फ पड़ी थी.

लकड़ी की बनी सैकड़ों झोपड़ियों की छतों से धुंआ निकल रहा था.

जब मार्था की बेपहियों की स्लेज, गार्ड के सामने से गुज़री तो गार्ड ने मार्था को सलाम किया.

उसके पैर उसकी टोपी से ढंके थे क्योंकि गार्ड के पास जूते नहीं थे.

वो गर्म कोट के बजाय एक पुराना फटा हुआ कंबल ओढ़े था.

कई सैनिक इसी तरह से पीड़ित थे.

पिछले तीन सर्दियों से जॉर्ज ने मार्था को इसी तरह बुलाया था.

हर सर्दी में मार्था जाती थी.

शिविर हमेशा अलग-अलग जगहों पर होते थे.

और वहां हमेशा कड़क ठंड होती थी.

मार्था को मुश्किलों की आदत पड़ गई थी.

लेकिन इस बार की सर्दी सबसे खराब थी.

सेना भूख से मर रही थी और ठंड से उसका बुरा हाल था.

ब्रिटिश सैनिकों ने सेना की सप्लाई को नष्ट कर दिया था.

बर्फीली, कीचड़ भरी सड़कों पर वैगनों द्वारा अधिक सप्लाई नहीं लाई जा सकती थी.

आस-पास के शहरों में रहने वाली महिलाएं मिसेज़ वाशिंगटन से हैरान थीं.

उन्हें लगा कि जनरल की पत्नी भव्य पार्टियां कर रही होगी.

वो सोचतीं थीं कि वो सुंदर गाउन पहनती होंगी.

इसके बजाय, मार्था ने सैनिकों की देखभाल की और एक सादे भूरे रंग की पोशाक पहनी.

मार्था हाथ में टोकरी लेकर सैनिकों की झोपड़ियों में जाती थीं.

वो उनके लिए माउंट वर्नोन से भोजन और दवाएँ लाईं.

उन्होंने सैनिकों की शर्ट और मोज़ों की मरम्मत की.

मार्था ने अत्यधिक ठंड को लेकर कोई शिकायत नहीं की.

उन्हें तंग घर में रहने में कोई आपत्ति नहीं थी.

वो अपने पति को युद्ध जीतने में मदद करने के लिए कुछ भी कर सकती थी.

माउंट वर्नोन, वर्जीनिया

1783

चीड़ की मालाओं ने घर को सजाया था.

पीतल की लालटेनें चमक रही थीं.

ताज़ी डबलरोटी और केक से पेंट्री शेल्फ भरे थे.

क्रिसमस की पूर्व संध्या थी.

क्या जॉर्ज इस बार घर आएगा? मार्था ने सोचा.

अंतत: युद्ध समाप्त हो गया.

जॉर्ज अब एक अमेरिकी हीरो थे.

अब एक नए राष्ट्र का जन्म हुआ था.

उसे संयुक्त राज्य अमेरिका कहा जाता था.

जॉर्ज को देखने के लिए मार्था और अधिक इंतजार नहीं कर सकती थीं.

लेकिन उसके दिल में एक उदासी छाई थी.

युद्ध के दौरान जैकी की जान चली गई थी.

और उन्हें अभी भी जैकी की याद आ रही थी.

जैकी के दो बच्चे उनके साथ ही रहते थे.

जैकी की मृत्यु के बाद मार्था ने लिटिल वाशिंगटन और नेली को गोद ले लिया था.

अचानक बाहर चीख-पुकार मची.

वो जॉर्ज थे, जो घर आए थे.

मार्था उनका स्वागत करने के लिए दौड़ी.

जॉर्ज के घर में होने से, मार्था का परिवार फिर से खुश हो गया.

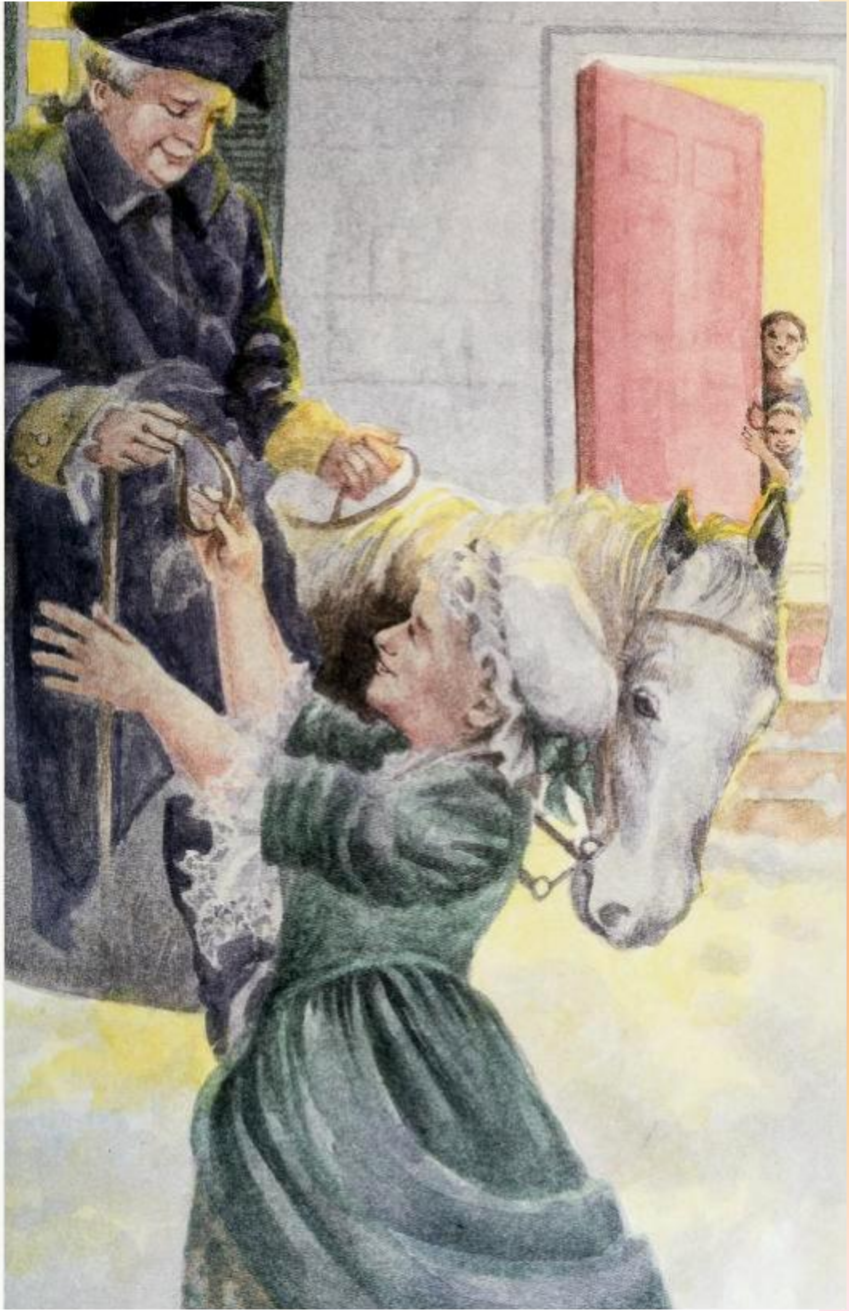

मार्था अब पहले से कहीं ज्यादा व्यस्त थीं.

कई लोग माउंट वर्नोन का दौरा करने आते थे.

मार्था, प्रत्येक अतिथि का स्वागत करती थीं.

वो भोर से अँधेरे तक काम करती थीं.

बेडरूम साफ और तैयार किये जाते थे.

नाश्ते और विशाल रात्रिभोज की योजना बनाई जाती थी.

मार्था की जिंदगी फिर से बदल गई थी.

1789 में, जॉर्ज, संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए.

अब वो देश की राजधानी न्यूयॉर्क शहर में रहेंगे और वहीं से काम करेंगे.

मार्था अपना घर नहीं छोड़ना चाहती थीं.

लेकिन वो अपने पति से अलग नहीं होना चाहती थीं.

और राष्ट्र को जॉर्ज की सख्त जरूरत थी.

न्यूयॉर्क

1789

बूम! बूम!

तेरह तोपों ने हवा में सलामी दी.

भीड़ खुशी से झूम उठी और चर्च की घंटियां बज उठीं.

जॉर्ज ने कहा कि वो स्वागत सिर्फ मार्था के लिए था!

वाशिंगटन परिवार, चेरी स्ट्रीट पर अपने नए घर के लिए रवाना हुआ.

उसी रात, जॉर्ज ने एक महत्वपूर्ण रात्रिभोज का आयोजन किया.

मार्था ने जो देखा वो उसे पसंद नहीं आया.

आपस में लोगों की बातचीत रूखी और नीरस थी.

नौकरों ने बहुत गलतियाँ की थीं.

मार्था को लगा कि उससे काम नहीं चलेगा.

मार्था को पता था कि राष्ट्रपति का आवास किसी घर से बढ़कर होना चाहिए.

उसे एक महत्वपूर्ण बैठक स्थल भी होना चाहिए.

उस शुक्रवार, मार्था ने एक पार्टी की मेजबानी की.

महत्वपूर्ण अतिथियों ने चाय पी और केक खाए.

मार्था ने यह सुनिश्चित किया कि मेहमानों के पास बात करने के लिए बहुत कुछ हो.

सभी मेहमानों को वहां बहुत अच्छा लगा.

उसके बाद से, मार्था ने हर शुक्रवार की रात को एक पार्टी का आयोजन किया.

और उन्होंने राष्ट्रपति भवन को, बहुत सुचारू रूप से चलाया.

मार्था के घर के काम उन्हें बहुत व्यस्त रखते थे.

लेकिन वो जॉर्ज के लिए हमेशा समय निकालती थीं.

जब जॉर्ज बीमार होते, तो मार्था उनकी देखभाल करती थीं.

जब जॉर्ज को कोई समस्या होती, तो वो उसे सुनतीं थीं और फिर अपनी राय देती थीं.

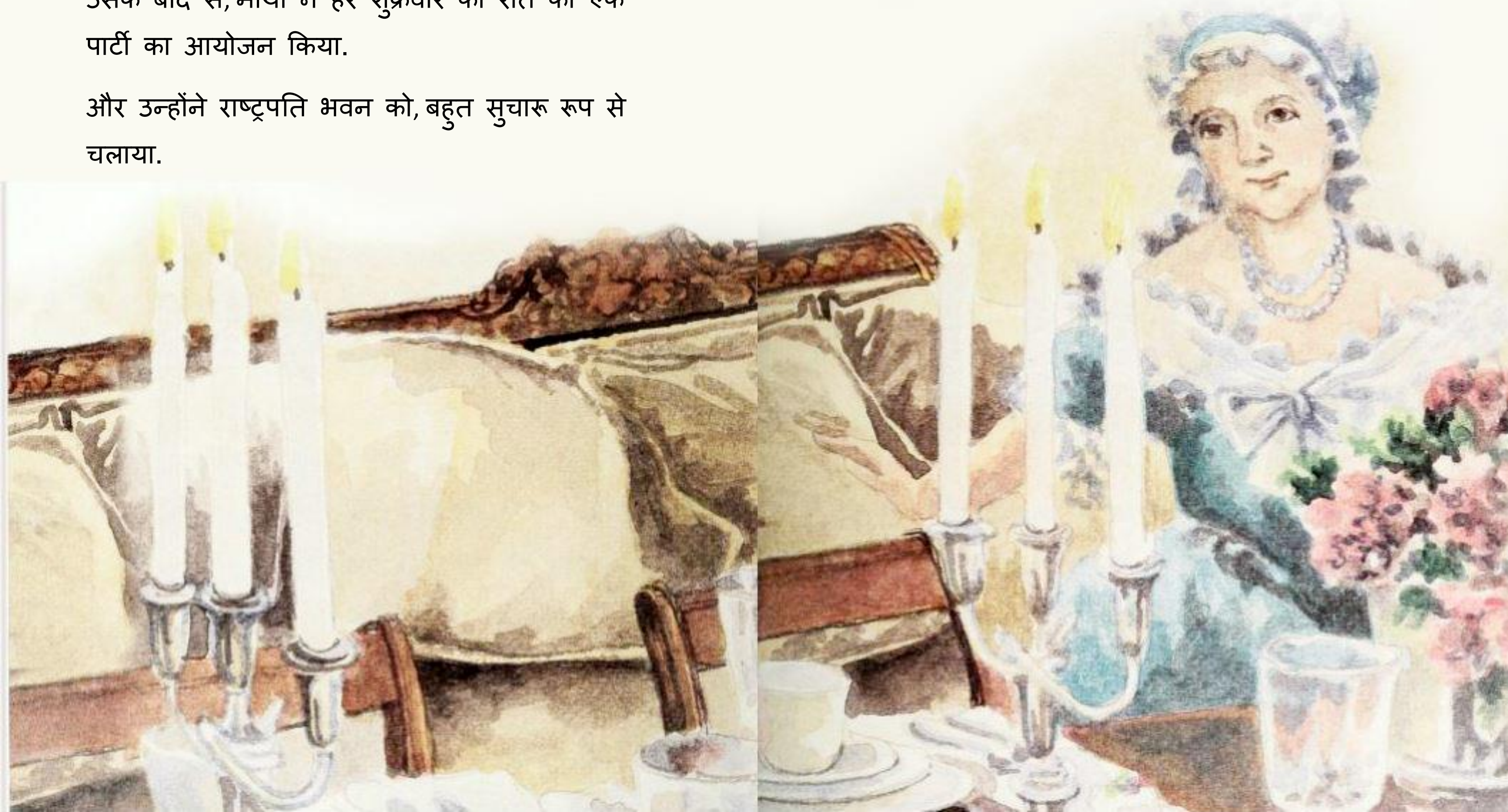

1790 में, वाशिंगटन फिलाडेल्फिया चले गए.

पोटोमैक नदी के किनारे नई राजधानी बनने तक राष्ट्रपति को वहीँ रहना था.

फिलाडेल्फिया में मार्था के कई दोस्त थे.

फिर भी, उन्हें माउंट वर्नोन की याद आती थी.

चार साल बाद, वो दुबारा घर जाने को तैयार थीं.

लेकिन तभी जॉर्ज, दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए.

पूरे चार साल के लिए!

मार्था को जॉर्ज की चिंता थी.

जॉर्ज हर रात देर तक काम करते थे.

उनके बाल सफेद हो गए थे.

उन्हें सुनने और देखने में भी परेशानी होती थी.

जब उसने तीसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनने को कहा गया, तब जॉर्ज ने मना कर दिया.

जॉर्ज अब थक गए थे.

अब किसी और को देश का नेतृत्व करना था.

मार्च 1797 में, वाशिंगटन माउंट वर्नोन के लिए रवाना हुए.

उन्होंने 97 बक्से, 14 ट्रंक, जॉर्ज के सामान और मार्था के तोते के साथ यात्रा की.

जैसे ही उन्होंने गाड़ी से बाहर कदम रखा, वैसे ही मार्था ने माउंट वर्नोन को देखा.

अंत में घर आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा.

और यह जानकर भी अच्छा लगा कि उन्होंने अपने देश की अच्छी सेवा की थी.

कलाकार जॉन वोलास्टन ने मार्था की यह पेंटिंग तब बनाई थी जब उनकी शादी डैनियल पार्के कस्टिस से हुई थी.

अंत के शब्द

दिसंबर 1799 में, जॉर्ज गले की खराश और तेज बुखार से बीमार हुए. कुछ दिनों बाद 14 दिसंबर को उनका निधन हो गया.

उनकी मृत्यु के बाद मार्था ने अपना शयनकक्ष बंद कर दिया और माउंट वर्नोन की तीसरी मंजिल पर एक छोटे, सादे कमरे में चली गईं. उनका कुल सामान एक बिस्तर, दो कुर्सियाँ और एक चूल्हा था. उन्होंने अपने आखिरी साल चुपचाप, बागवानी करने और पढ़ने में बिताए.

अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले, मार्था ने अपने और जॉर्ज के बीच के सभी पत्रों को जला डाला. दो पत्र जीवित रहने में कामयाब रहे. दोनों ही जॉर्ज ने लिखे थे. ये पत्र मार्था की पोती को एक डेस्क में रखे मिले.

22 मई, 1802 को माउंट वर्नोन में, मार्था वाशिंगटन की मृत्यु हुई. उन्हें जॉर्ज की बगल में ही दफनाया गया. मार्था वाशिंगटन को दयालु, और एक दमदार महिला के रूप में याद किया जाता है. अमेरिका की प्रथम प्रथम महिला ने उन सभी राष्ट्रपतियों की पत्नियों के लिए एक मिसाल कायम की, जिन्होंने बाद में उनका अनुसरण किया.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1731—मार्था वाशिंगटन का जन्म 2 जून को विलियम्सबर्ग, वर्जीनिया के पास हुआ.

1749—मार्था ने डेनियल पार्के कस्टिस से शादी की.

1757—डैनियल की मृत्यु.

1759—मार्था ने 6 जनवरी को जॉर्ज वॉशिंगटन से शादी की.

1773—ग्रेट ब्रिटेन ने चाय अधिनियम पारित किया; जून में पैट्सी की मृत्यु हुई.

1774—पहली कॉन्टिनेन्टल कांग्रेस की बैठक 4 सितंबर को फिलाडेल्फिया में हुई.

1775—जॉर्ज को कॉन्टिनेन्टल सेना का नेतृत्व करने के लिए चुना गया;
मार्था जॉर्ज के शीतकालीन शिविर की अपनी पहली यात्रा की.

1781—युद्ध के दौरान जैकी की मृत्यु हुई फिर मार्था ने नेली और लिटिल वाशिंगटन को गोद लिया.

1785—क्रांतिकारी युद्ध समाप्त हुआ.

1789—जॉर्ज वाशिंगटन राष्ट्रपति चुने गए और फिर न्यूयॉर्क शहर में रहने गए.

1790—वाशिंगटन, फिलाडेल्फिया चले गए.

1797—वाशिंगटन, मार्च में माउंट वर्नोन लौट आए.

1799—14 दिसंबर को जॉर्ज की मृत्यु हुई.

1802—22 मई को मार्था वाशिंगटन का निधन हुआ.